Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-412

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

B.A. Yoga Science, (Semester : Fourth)

संस्कृत

संस्कृत–साहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. चन्द्रालोक के अनुसार सभी लक्षणों को सोदाहरण लिखिए।
2. 'रघुवंश' द्वितीय सर्ग के अनुसार राजा दिलीप की गो सेवा का वर्णन कीजिए।
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का सार लिखिए।
4. द्वासुपर्णा में सुदामा का चरित्र चित्रण कीजिए।
5. श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का सार लिखिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. श्लेष, समता, प्रसाद एवं समाधि के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
2. अधोलिखित श्लोक को ससन्दर्भ व्याख्यायित कीजिए –
   निवर्त्य राजा दयितां दयालुस्तां सौरभयी सुरभिर्यशोभिः।
   पयोधरीभूतचतुःसमुद्रां जुगोप गारूपधराभिवोर्वीम्।।
3. अधोलिखित श्लोक का सप्रसङ्ग अर्थ लिखिए –
   दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भुवः।
   अवेहि तनयां ब्रह्मन्नग्निगर्भां शमीमिव।।
4. द्वासुपर्णा के अनुसार महर्षि सन्दीपनि के आश्रम का दृश्य प्रस्तुत करिये।
5. निम्नलिखित श्लोक का सप्रसङ्ग अर्थ लिखिए।
   नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
   न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ।।
6. चन्द्रालोककार जयदेव का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. अर्थमहिमा है .....
   (अ) माधुर्य (ब) समाधि
   (स) प्रसाद (द) श्लेष
2. वन में पहुचने पर राजा दिलीप की अगवानी की .....
   (अ) पक्षियों ने (ब) वृक्षों ने
   (स) प्राणियों ने (द) इनमे से कोई नहीं
3. चन्द्रालोक के तृतीय मयूख में वर्ण्य विषय है .....
   (अ) लक्षण (ब) गुण
   (स) दोष (द) अलंकार
4. 'यात्येकतोऽस्तशिखरम्' का सम्बन्ध है .....
   (अ) द्वासुपर्णा से (ब) गीता से
   (स) अभिज्ञानशाकुन्तलम् से (द) रघुवंश से
5. नन्दिनी पर आक्रमण करने वाले सिंह के मित्र का नाम है .....
   (अ) कुम्भोदर (ब) निकुम्भ
   (स) प्रकुम्भ (द) सर्वकुम्भ
6. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) में शरीर की तुलना की गई है .....
   (अ) आकाश से (ब) वायु से
   (स) वस्त्र से (द) पृथिवी से
7. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के रचनाकार हैं .....
   (अ) भारवि (ब) भास
   (स) भवभूति (द) कालिदास
8. शकुन्तला के प्रस्थान के समय कण्व ने शकुन्तला को सबसे पहला उपदेश दिया .....
   (अ) सौंतो से सखो सा व्यवहार करो (ब) पति से मत रूठो
   (स) गुरुओं की सेवा करो (द) सेवकों को दान दो
9. द्वासुपर्णा के अनुसार सुदामा की धर्म पत्नी का नाम था .....
   (अ) सुशीला (ब) कौशिल्या
   (स) कौमुदी (द) नेत्रोज्ज्वला
10. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' में किस योग की बात की गई है।
    (अ) कर्मयोग की (ब) भक्तियोग की
    (स) सांख्ययोग की (द) इनमें से किसी की नहीं

----------X----------